



::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश सं. / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/63 to 67/GDM/2017	ST/115 to 119/2017-18	21.04.2017
	V2/108 to 114/GDM/2017	ST/176 to 182/2017-18	22.05.2017
	V2/115/GDM/2017	ST/187/2017-18	23.05.2017
	V2/119,133 ¹ to 136 /GDM/2017	ST/244 to 248/2017-18	14.06.2017

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-025-TO-42-2017-18

आदेश का दिनांक /
Date of Order: **16.10.2017** जारी करने की तारीख /
Date of issue: **23.10.2017**

**कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot**

ग अपर आयुक्त/संयुक्त आयुक्त/उपायुक्त/सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गन्धीधाम द्वारा उपरोक्तित जारी मूल आदेश से सृजित। /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :-

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**
M/s. Friends Impex, "Maitri Bhavan" Plot No. 18, Sector-08, Ghandhidham (Kutch)-370201

इस आदेश(अपील) से ध्वजित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है। /
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

- (A) सीमा शुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-
- (i) सर्वोच्च न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, अर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.
- (ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (विस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठ, बहमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380015 को की जानी चाहिए। /
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380015 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above.
- (iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित फॉर्म नई धारा EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा, व्याज की सीमा और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। उक्त आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.
- (iv) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर विनियमों, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उसमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की सीमा, व्याज की सीमा और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। उक्त आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत टर्ज की नयी अपील, सेवाकर विधायक, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पॉलि आदेश की प्रतियाँ संलग्न करे (जहाँ से एक प्रति प्रस्तुत होती चाहिए) और आयुक्त द्वारा महासूचक आयुक्त अथवा उपयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेक्टर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन टर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेक्टर) के एपिल अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35ए के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मात्र के 10 प्रतिशत (10%), जब मात्र एवं जुर्मना विवादित है, या जुर्मना, जब केवल जुर्मना विवादित है, पर मुआवजा किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाले अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "जमा किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
(ii) सेक्टर जमा की गई राशि राशि
(iii) सेक्टर जमा विधायकरी के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आगम से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचारणीय स्थान नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगी।
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
(i) amount determined under Section 11 D;
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण वारिका निम्नलिखित स्थानों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पारतक के अंतर्गत अवर अधिक, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त सचिवालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
(i) यदि मात्र के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी मात्र को किसी मर्राखाने से अंतर गृह के परामर्शन के दौरान या किसी अन्य मर्राखाने या फिर किसी एक मर्राखाने से दूसरे मर्राखाने गृह परामर्शन के दौरान, या किसी मर्राखाने गृह में या मर्राखाने में मात्र के प्रसंकरण के दौरान, किसी मर्राखाने या किसी मर्राखाने गृह में मात्र के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे भारत के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे मात्र पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का मुआवजा किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को मात्र निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
(iv) मुद्रित/उत्पाद के उत्पादन शुल्क के मुआवजा के लिए जो इयुटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत प्रत्येक की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अथवा समाकलिति पर या बाद में पेश किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec-109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) विधायक, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्दिष्ट है, इस आदेश के संकेप के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मात्र आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के लक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम है। (ले क्वॉरे 200/- का मुआवजा किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 - का मुआवजा किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
(D) यदि इस आदेश में कई मात्र आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मात्र आदेश के लिए शुल्क का अलग-अलग देय हो किया जाना चाहिए। इस प्रत्येक के होने पर भी की निम्न पढी क्वॉरे से बचने के लिए सहायिकि अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if existing Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
(E) परामर्शित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मात्र आदेश एवं स्थान आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट जमा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कर्वे विधि) विधायक, 1982 में बर्षित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दायित करने से सम्बंधित स्पष्ट, विस्तृत और सटीकतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in



:: ORDER IN APPEAL ::

The cluster of appeals listed hereinbelow have been filed by M/s. Friends Impex, "Maitri Bhavan", Plot NO. 18, Sector -08, k, Gandhidham (Kutch) - 370201 (hereinafter referred to as "the appellant") against Orders-In-Original No. shown against each appeal no. (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Gandhidham-Kutch (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

Sr. No.	Appeal File No.	Order-In-Original No. & Date	Period of Refund claim	Amount of refund rejected (in Rs.)
01.	V2/63/GDM /2017	ST/116/2017-18 dated 21.04.2017	December, 2016	73,207/-
02	V2/64/GDM /2017	ST/119/2017-18 dated 21.04.2017	December, 2016	36,502/-
03	V2/65/GDM /2017	ST/115/2017-18 dated 21.04.2017	January, 2017	87,334/-
04	V2/66/GDM /2017	ST/118/2017-18 dated 21.04.2017	December, 2016	1,00,147/-
05	V2/67/GDM /2017	ST/181/2017-18 dated 22.05.2017	January, 2017	86,998/-
06	V2/108/GDM /2017	ST/117/2017-18 dated 22.05.2017	January, 2017	1,11,314/-
07	V2/109/GDM /2017	ST/182/2017-18 dated 22.05.2017	January, 2017	1,01,098/-
08	V2/110/GDM /2017	ST/179/2017-18 dated 22.05.2017	February, 2017	76,856/-
09	V2/111/GDM /2017	ST/180/2017-18 dated 22.05.2017	January, 2017	42,805/-
10	V2/112/GDM /2017	ST/178/2017-18 dated 22.05.2017	January, 2017	89,243/-
11	V2/113/GDM /2017	ST/177/2017-18 dated 22.05.2017	February, 2017	94,682/-
12	V2/114/GDM /2017	ST/176/2017-18 dated 22.05.2017	February, 2017	39,734/-
13	V2/115/GDM /2017	ST/187/2017-18 dated 23.05.2017	Octo-2016 to Jan-2017	16,834/-
14	V2/119/GDM /2017	ST/244/2017-18 dated 14.06.2017	February, 2017	90,322/-
15	V2/133/GDM /2017	ST/248/2017-18 dated 14.06.2017	February, 2017	1,21,224/-
16	V2/134/GDM /2017	ST/245/2017-18 dated 14.06.2017	March, 2017	90,492/-
17	V2/135/GDM /2017	ST/246/2017-18 dated 14.06.2017	February, 2017	68,130/-
18	V2/136/GDM /2017	ST/247/2017-18 dated 14.06.2017	March, 2017	80,638/-

2. Since the issue involved is common in nature and connected with each other, the same are taken up together for disposal.

3. The facts of the case are that - the appellant filed refund claims under Notification No.41/2012-ST dated 29.06.2012 of Service Tax paid to various service providers for rendering taxable services in relation to export of goods for the period specified in the refund claims. The lower adjudicating authority vide impugned order rejected the rebate claim for the amount as shown in the above Table.



26

4. Being aggrieved with the impugned orders, the appellant preferred the appeals, *inter-alia*, on the grounds that on the facts of the case the lower adjudicating authority has erred in rejecting the refund of Krishi Kalyan Cess (hereinafter referred to as "KKC") and Swachh Bharat Cess (hereinafter referred to as "SBC"); that the lower adjudicating authority erred in rejecting the refund of Krishi Kalyan Cess and Swachh Bharat Cess without affording opportunity to appellant to present their case and thus violated the principles of natural justice and therefore the impugned orders passed may be set aside. :

5. Personal hearing in the matter was attended to by Shri Manish H. Vora, Chartered Accountant, who reiterated grounds of Appeal and submitted detailed common written submissions dated 13.10.2017, *inter alia*, emphasizing that no show cause notice has been issued, in any case for denying refund of SBC and KKC; that even no personal hearing notice was given; that the impugned orders have been issued keeping them in dark; that appeals need to be allowed as the refunds granted earlier in respect of SBC & KKC have been adjusted from the refund sanctioned in respect of Service Tax.

5.1 In the written submissions dated 13.10.2017 filed during personal hearing the appellant, *inter alia*, submitted that they have filed refund claim of Service Tax paid on the input service which they utilized in export of goods as stipulated in Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012; that the said Notification allowed rebate of Service Tax paid on the taxable service received and utilized by the exporter of goods; that enabling provisions for levy of SBC on services were introduced / incorporated under Section 119 of the Act; that Frequently Asked Question (in short, FAQ) on SBC issued by CBEC, it had been clarified that SBC is not a Cess, but a tax like Service Tax and all the provisions relating to levy and collection of Service Tax as enumerated in Chapter -V of the Finance Act, 1994 and Rules made thereunder, including those relating to exemption and refund from tax will be applicable to SBC also; that accounting code has been prescribed wherein refund of SBC should be accounted for; that if there was no intention of allowing refund of SBC to the public, accounting code for refund of SBC would not have been stipulated; that Notification No. 01/2016-ST, Notification No. 02/2016-ST and Notification No. 03/2016-ST, all dated 02.02.2016, indicate that refund of SBC should be allowed,

5.2 As regards, rejection of refund claim in respect of KKC the appellant submitted that enabling provisions for levy of KKC on services were introduced / incorporated under Section 161 of the Finance Act, 2016 vide Chapter - VI of the Act; that they drew attention to Chapter - VI pertaining to KKC; that the appellant



also drew attention to FAQ issued by the CBEC on KKC and contended that provisions enumerated in Chapter – VI of the Finance Act, 2016, and FAQ issued by CBEC it is clear that KKC is not a Cess but a tax like Service Tax and all the provisions relating to levy and collection of Service Tax as enumerated in Chapter V of the Finance Act, 1994 and Rules made thereunder, including those relating to exemption and refund from tax will be applicable to KKC also; that accounting code for refund of KKC has been prescribed; that if there was no intention of legislature of allowing refund of KKC to the public, accounting code for refund of KKC would not have been prescribed; that Notification No. 30/2016-ST, Notification No. 29/2016-ST, both dated 26.05.2016, which indicate that refund of KKC should be allowed.

5.3 The appellant also relied upon the decision of Hon'ble Karnataka High Court in the case of M/s. TVS Motors Ltd. in Writ Petition Nos. 51753/2013 and 38767-69/2014, wherein it is held that rebate of automobile cess paid on motor vehicles exported out of India is refundable, even though the same is not mentioned in Notification No. 19/2004-CE(NT); that they relied upon the decision of the Hon'ble High Court in the case of M/s. Shree Renuka Sugars Ltd. in CEA No. 14/2008, wherein it is held that cess which is levied on production of sugar is nothing but a duty of excise and as per Rule 3 of the Cenvat Credit Rules, 2004, credit of such duty, as excise are available to the appellant; that same analogy would apply to their case of refund of SBC and KKC, as service tax paid on services received were utilized for export of goods; that the lower adjudicating authority deducted / recovered refund of Service Tax of SBC granted in earlier OIO without issuing any show cause notice and therefore principles of natural justice have been violated. Personal hearing notice was sent to the Department but none appeared.

FINDINGS:-

6. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned orders, appeal memoranda, as well as oral and written submissions made by the appellant. The issue to be decided in the present case is as to whether the appellant is entitled for rebate of SBC and KKC paid on services used for export of goods under Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012 or not.

7. The appellant has vehemently contended that the refund claims were rejected without giving any notice to them as to why such amount is being deducted; that no opportunity was given to the appellant to explain their case and the 'Principles of Natural Justice' have not been followed by the lower adjudicating authority. I find ample force in this argument made by the appellant. I find that the



8. In view of the above, I set aside the impugned orders to the extent of rejection of refund claims of SBC & KKC and allow the appeals by way of remand, with direction to the appellant to submit their written submissions to their jurisdictional Divisional Deputy / Assistant Commissioner within two months of the receipt of this order.

९. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलस का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9. The appeals filed by the appellant stand disposed off in above terms.

सत्यापित,
23/10/17
मिछिम ए. सुपारेलिन
अधीक्षक (अपील्स)

(कुमार संतोष)
आयुक्त (अपील्स)

By Regd. Post AD

To,

M/s. Friends Impex,
"Maitri Bhavan",
Plot No. 18,
Sector -08,
Gandhidham (Kutch) - 370201

मे. फ्रेंड्स इंपेक्ष, मैत्री भवन,
प्लॉट न 18,
सेक्टर - 08,
गांधीधाम (कच्छ) - 370 201

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, GST & Central Excise, Kutch Commissionerate, Gandhidham
- 3) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division, Gandhidham.
- 4) The Range Superintendent, GST & Central Excise, Gandhidham Division
- 5) Guard File.





::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,

द्वितीय तल, वस्तु एवं सेवा कर भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,
राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

:: By Speed Post ::

फाइल संख्या / File No. :- V2/133 /GDM/2017

दिनांक: / Date :- 22.08.2017

सेवामें / To,

M/s. Friends Impex
Maitri Bhavan, Plot No. 18, Sector-08
Gandhidham - 370 201, -370240

Personal Hearing / व्यक्तिगत सुनवाई

महोदय / Gentleman,

विषय: अपील से संबंधित व्यक्तिगत सुनवाई के संदर्भ में.

Subject: Personal Hearing in Appeal Petition...m/r.

आयुक्त (अपील), केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क, राजकोट, द्वारा निर्देशित किए जाने पर, अधोहस्ताक्षरकर्ता आपको सूचित करते हैं कि आपके द्वारा दर्ज की गई निम्नलिखित अपील/ अपीलों के संदर्भ व्यक्तिगत सुनवाई, अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित दिनांक एवं समय पर निर्धारित की गई है। अतः उपरलिखित पते पर नियत समय पर आपकी उपस्थिति अपेक्षित है।

The undersigned has been directed by the Commissioner (Appeals), Central GST & Excise, Rajkot, to intimate you to appear before the appellate authority for personal hearing in the case of following appeals, on the below mentioned date and time, at the above mentioned address.

क्रम संख्या/ Sr. No.	अपील संख्या/ Appeal Number	अपीलार्थी का नाम/ Name of Appellant	मूल आदेश संख्या एवं दिनांक/ Order in Original No. and date	दिनांक एवं समय / Date and time
01	V2/133 /GDM/2017	M/s. Friends Impex	ST/248/2017-18 Dtd. 14-06-2017	12.09.2017 OR 15.09.2017 at 11:30 Hrs.

आपसे अनुरोध है कि व्यक्तिगत सुनवाई में अपनी उपस्थिति की पुष्टि हेतु इस कार्यालय को व्यक्तिगत सुनवाई के हेतु दिनांक 08.09.2017 तक सूचित करें। इसके अलावा, जहाँ तक संभव हो, अपील आपन-पत्र में प्रेषित लिखित प्रस्तुतियाँ तथा उसके बाद यदि अन्य कोई प्रस्तुतियाँ दर्ज कराई गयी हैं तो उन सभी प्रस्तुतियों की सॉफ्ट कॉपी अपील के प्रसंस्करण में सुगमता के लिए एक CD/ Email id पर उपलब्ध कराएँ।

Further, it is requested to confirm the schedule of your appearance in the personal hearing to this office, by 08.09.2017 and to provide soft copy of the brief facts and grounds of appeal made in the Appeal Memorandum and written submission, if any on Email: cexappealsrajkot@gmail.com, for the ease in processing of this appeal.

भवदीय / Yours sincerely,

अधीक्षक (अपील)/ Superintendent (Appeals)

Copy for information and necessary action :

The Assistant Commissioner, G.S.T., Div.- Gandhidham with request to depute a coversent officer to represent the department during personal hearing. Please note that your coments / say on grounds of appeal and brief facts stated in appeal memorandum may be submitted to this office by 08.09.2017 or before